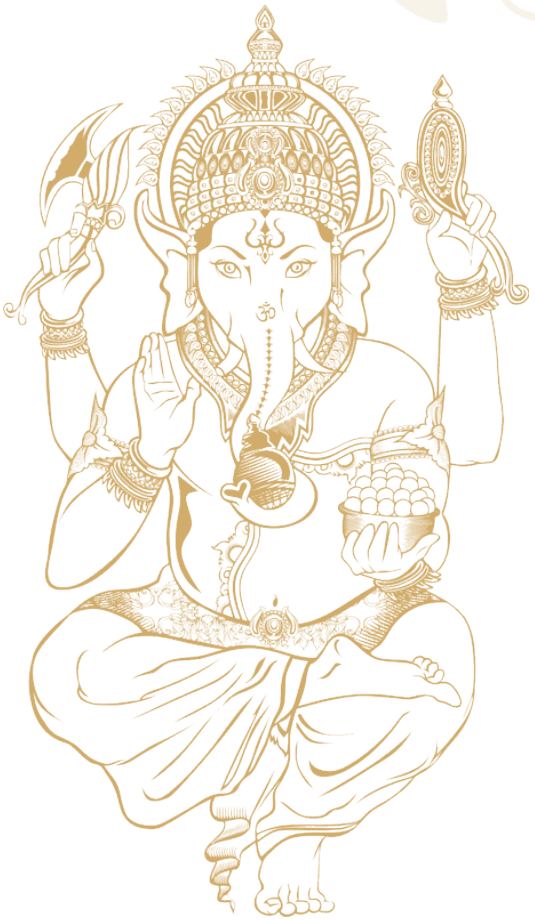

Mr .vaibhav

18 Oct 2008

10:38 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119547106

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/10/2008**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**22:38:00 घंटे**
इष्ट	40:34:48 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:16:52 घंटे
वेलान्तर	00:14:54 घंटे
साम्पातिक काल	00:07:05 घंटे
सूर्योदय	06:24:04 घंटे
सूर्यास्त	17:48:09 घंटे
दिनमान	11:24:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	01:42:27 तुला
लग्न के अंश	19:49:52 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	वरियान
करण	कौलव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वे-वेद
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:49:52	314:46:45	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	---
सूर्य			तुला	01:42:27	00:59:35	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	नीच राशि
चंद्र			वृष	24:48:38	14:35:25	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	तुला	15:55:20	00:41:19	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध			कन्या	14:19:13	00:30:05	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
गुरु			धनु	21:03:54	00:07:09	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	स्वराशि
शुक्र			वृश्चि	05:56:51	01:12:45	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	सम राशि
शनि			सिंह	23:17:33	00:06:28	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		मक	21:46:49	00:05:55	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	21:46:49	00:05:55	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	सूर्य	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	25:23:24	00:01:47	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
नेप	व		मक	27:32:41	00:00:29	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
प्लूटो			धनु	04:55:15	00:01:13	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	---
दशम भाव			मीन	07:57:08	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:58:59

लग्न-चलित

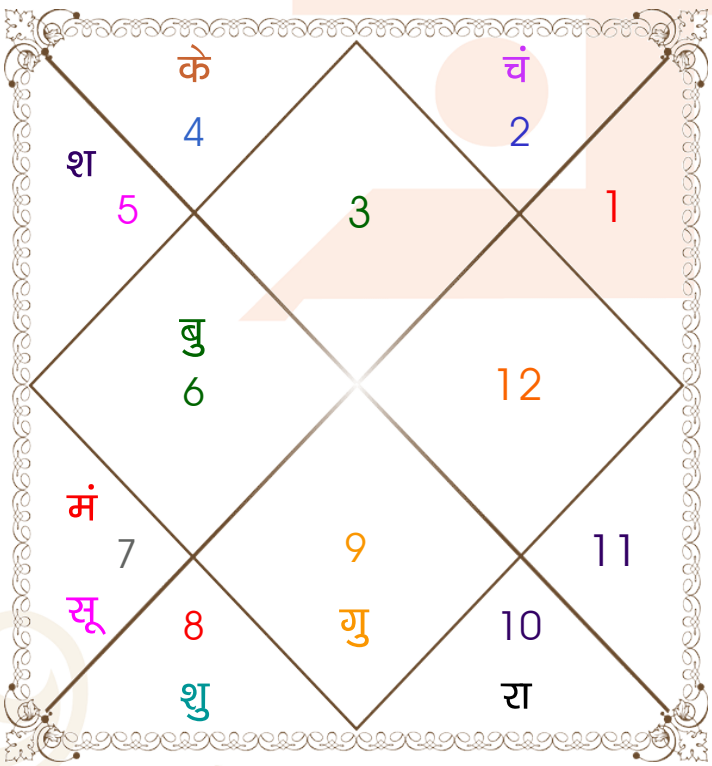

चन्द्र कुंडली

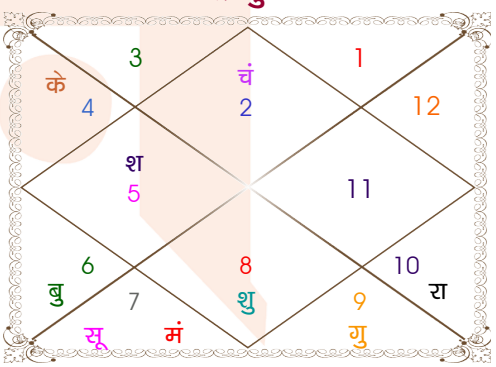

नवमांश कुंडली

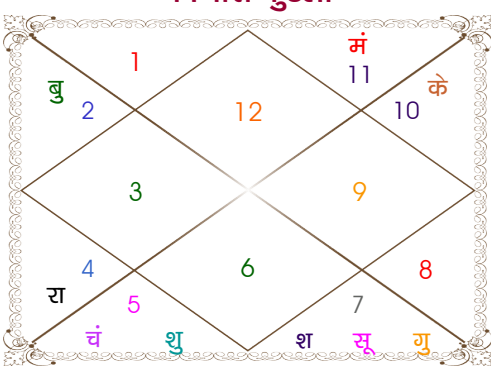

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 2 मास 21 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
18/10/2008		09/01/2015		08/01/2033		08/01/2049		09/01/2068	
09/01/2015		08/01/2033		08/01/2049		09/01/2068		08/01/2085	
	18/10/2008	राहु	21/09/2017	गुरु	27/02/2035	शनि	12/01/2052	बुध	07/06/2070
राहु	25/06/2009	गुरु	15/02/2020	शनि	09/09/2037	बुध	21/09/2054	केतु	04/06/2071
गुरु	01/06/2010	शनि	22/12/2022	बुध	16/12/2039	केतु	31/10/2055	शुक्र	04/04/2074
शनि	11/07/2011	बुध	10/07/2025	केतु	21/11/2040	शुक्र	31/12/2058	सूर्य	08/02/2075
बुध	07/07/2012	केतु	29/07/2026	शुक्र	23/07/2043	सूर्य	13/12/2059	चंद्र	10/07/2076
केतु	03/12/2012	शुक्र	28/07/2029	सूर्य	10/05/2044	चंद्र	13/07/2061	मंगल	07/07/2077
शुक्र	02/02/2014	सूर्य	22/06/2030	चंद्र	09/09/2045	मंगल	22/08/2062	राहु	24/01/2080
सूर्य	10/06/2014	चंद्र	22/12/2031	मंगल	16/08/2046	राहु	28/06/2065	गुरु	01/05/2082
चंद्र	09/01/2015	मंगल	08/01/2033	राहु	08/01/2049	गुरु	09/01/2068	शनि	08/01/2085

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
08/01/2085		09/01/2092		10/01/2112		10/01/2118		10/01/2128	
09/01/2092		10/01/2112		10/01/2118		10/01/2128		00/00/0000	
केतु	07/06/2085	शुक्र	11/05/2095	सूर्य	29/04/2112	चंद्र	10/11/2118	मंगल	07/06/2128
शुक्र	07/08/2086	सूर्य	10/05/2096	चंद्र	28/10/2112	मंगल	11/06/2119	राहु	19/10/2128
सूर्य	13/12/2086	चंद्र	09/01/2098	मंगल	05/03/2113	राहु	10/12/2120		00/00/0000
चंद्र	14/07/2087	मंगल	11/03/2099	राहु	28/01/2114	गुरु	11/04/2122		00/00/0000
मंगल	10/12/2087	राहु	12/03/2102	गुरु	16/11/2114	शनि	10/11/2123		00/00/0000
राहु	27/12/2088	गुरु	10/11/2104	शनि	29/10/2115	बुध	11/04/2125		00/00/0000
गुरु	03/12/2089	शनि	10/01/2108	बुध	04/09/2116	केतु	10/11/2125		00/00/0000
शनि	12/01/2091	बुध	10/11/2110	केतु	09/01/2117	शुक्र	12/07/2127		00/00/0000
बुध	09/01/2092	केतु	10/01/2112	शुक्र	10/01/2118	सूर्य	10/01/2128		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 2 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।